कार्पोरेट ट्रेनर के रूप में कॅरिअर

गौरव कुमार एवं अनु सुनेजा

आजकल प्रशिक्षण का एक नया रूप उभर कर सामने आ रहा है जिसमें प्रशिक्षक (ट्रेनर) कार्य–स्थल से केवल कार्य–समानता लेकर ज्ञान को सुसाध्य बनाते हैं और राफ्ट बिल्डिंग तथा ओरिएंटियरिंग एवं व्यवसाय अनुकूलन गेम्स जैसी बाहरी गतिविधियों से उन्हें जोड़ते हैं। भावी वरीयता 'मिले–जुले ज्ञान' के लिए होनी चाहिए जो परम्परागत अनुदेशक के क्लास रूम प्रशिक्षण और ऑनलाइन शिक्षण का मिला–जुला रूप है। कार्पोरेट प्रशिक्षण के क्षेत्रों में निम्नलिखित शामिल हैं :–

जैव सूचना विज्ञान

- जैव सूचना विज्ञान में मूल सिद्धांत तथा मामले
- रोग प्रतिरक्षा सूचना विज्ञान
- रसायन सूचना विज्ञान एवं युक्तिसंगत औषधि डिजाइनिंग
- जैव सूचना विज्ञान उच्च मॉड्यूल
- कम्प्यूटर समर्थित औषधि डिजाइनिंग
- प्रोटीन मॉडलिंग, औषधि–डिजाइनिंग तथा रोग प्रतिरक्षा–सूचना विज्ञान में जैव सूचना विज्ञान
- औषधि डिजाइनिंग एवं रोग प्रतिरक्षा सूचना विज्ञान में उच्च जैव सूचना विज्ञान
- औषधि डिजाइनिंग

व्यवसाय संचार एवं व्यक्तिगत प्रभावकारिता :

- व्यवसाय एवं तकनीकी लेखन
- उच्च प्रभाव वाली प्रस्तुति देना
- भावात्मक सूचना का प्रयोग करके कार्य–निष्पादन सुधारना
- विदेशी भाषाएं
- एनविवो से कोटिपूर्ण अनुसंधान
- अंग्रेजी व्याकरण एवं शब्दावली
- सार्वजनिक संबोधन एवं सामूहिक विचार–विमर्श
- कार्य–प्रासंगिक भूमिका
- ई–मेल लेखन एवं अभिव्यक्ति
- सकारात्मकता एवं आग्रहिता
- मनोवृत्ति विकास एवं प्रस्तुति कौशल
- कार्य प्रासंगिक भूमिका
- टीम नेतृत्व तथा अभिप्रेरणा
- लेखन एवं प्रस्तुति देना

सूचना प्रणाली एवं व्यवसाय प्रबंधन

- लेखाकरण एवं कराधान
- उन्नत समस्या समाधान
- व्यवसाय प्रशासन

- व्यवसाय वित्तीय विश्लेषण
- निवेश एवं मुनाफा विश्लेषण
- ग्राहक संबंध बढ़ाना
- सार्वभौम उद्यम एवं प्रतिस्पर्धा
- प्रबंधन प्रशिक्षण
- विपणन के मूल सिद्धांत
- बाजार अनुसंधान
- कार्य–परिचालन अनुसंधान
- संगठन–आचरण
- मात्रात्मक व्यवसाय विश्लेषण
- बीमा नीति एवं प्रशासन
- मात्रात्मक तकनीक

क्लाइंट सर्वर एवं डाटाबेस प्रौद्योगिकी

- डाटाबेस अनुप्रयोग एवं सॉफ्टवेयर पैकेज
- ग्राहक/सर्वर प्रौद्योगिकी
- क्लाइंट/ सर्वर कम्प्यूटिंग एवं नेटवर्किंग
- वितरित ऑबजेक्ट्स सहित क्लाइंट/ सर्वर प्रोग्रामिंग
- डाटा माइनिंग, वेयर हाउसिंग एवं बिजनेस इंटेलीजेंस
- डाटाबेस डिज़ाइन एवं प्रशासन
- रिलेशनल डाटाबेस
- एस.क्यू.एल डाटाबेस सर्वर्स

नैदानिक प्रयोगशाला विज्ञान

- नैदानिक रसायन विज्ञान
- नैदानिक रोग विज्ञान
- नैदानिक फार्माकॉलोजी
- संक्रामक रोग
- मोलेक्यूलर आनुवंशिकी

कम्प्यूटर विज्ञान एवं प्रोग्रामिंग

- सी, सी़, सीरु, सीरुए .नेट एवं जावा में प्रोग्रामिंग
- डाटा संरचना एवं कार्यान्वयन
- पर्ल प्रोग्रामिंग
- नेट प्रौद्योगिकी
- सी़ का प्रयोग करते हुए ऑबजेक्ट– उन्मुखी प्रोग्रामिंग
- रेशनल अप्लीकेशन डेवलपर (आर.ए.डी.) फ्रेमवर्क
- सॉफ्टवेयर गुणवत्ता आश्वासन एवं सॉफ्टवेयर परीक्षण
- सॉफ्टवेयर कन्फिग्युरेशन प्रबंधन
- माइक्रोसॉफ्ट प्रौद्योगिकी
- यूनिक्स परिचालन प्रणाली एवं शेल प्रोग्रामिंग
- लीनक्स परिचालन प्रणाली एवं शेल प्रोग्रामिंग

रचनात्मक कला एवं मल्टीमीडिया

- 3डी कम्प्यूटर एनीमेशन
- ग्राफिक डिज़ाइन मल्टीमीडिया एवं विश्वव्यापी वेब
- इंटरएक्टिव मीडिया हेतु अनुदेशात्मक डिज़ाइन
- एडोब डायरेक्टर एवं शॉकवेव
- एडोब कोल्ड फ्यूजन
- एडोब फ्लैश
- मल्टीमीडिया अप्लीकेशन
- लिंगो स्क्रिप्टिंग युक्त मल्टीमीडिया
- क्वार्क एक्सप्रेस
- एडॉब आफ्टर इफेक्ट्स
- एडॉब इलस्ट्रेटर
- एडॉब फोटोशॉप
- एडवरटाइजिंग डिज़ाइन
- कम्प्यूटर एनीमेशन
- कम्प्यूटर ग्राफिक्स एवं इलस्ट्रेशन
- इंटरएक्टिव मीडिया डिज़ाइनिंग एवं डेवलपिंग
- डेस्कटॉप पब्लिशिंग : लेआउट एवं प्रोडक्शन
- डेस्कटॉप वीडियो प्रोडक्शन
- डिजिटल इमेजिंग एवं फोटोग्राफी
- फ्लैश फोर इंटरनेट डेवलपर्स
- फ्लैश का प्रयोग करते हुए रिच इंटरनेट अप्लीकेशन

इंटरनेट एवं वेब विकास

- ई–कॉमर्स, ई–बैंकिंग तथा ई–गवर्नेंस
- वेब–आधारित प्रोग्रामिंग और स्क्रिप्टिंग भाषाएं
- ए.एस.पी, पी.एच.पी, पर्ल, पाइथॉन, सी.जी.आई, जे.एस.पी, कोल्डफ्यूजन
- सी.एस.एस. (कैस्केडिंग स्टाइल शीट्स)
- डी.टी.डी. (डॉक्यूमेंट टाइप डेफिनेशन्स) तथा स्कीम्स
- फॉर्म डिज़ाइन एवं प्रोसेसिंग
- एच.टी.एम.एल./डी.एच.टी.एम.एल, एक्स.एम.एल., एक्सपाथ, एस.वी.जी, एक्स.एस.एल.टी.
- जावा स्क्रिप्ट, वी.बी. स्क्रिप्ट, जे स्क्रिप्ट, मू टूल्स, ए.जे.ए.एक्स.
- इंटरानेट डेवलपमेंट
- इंटरानेट नेटवर्क इंटरफेस डिजाइन
- स्ट्रीमिंग मीडिया फ़ॉर द वेब
- वेबसाइट डाटाबेस इम्प्लीमेंटेशन
- वेबसाइट विकास
- वेबसाइट डिज़ाइन
- वेबसाइट सर्वर प्रशासन

पी.एच.पी. आधारित कंटेंट प्रबंधन प्रणाली

- जूमला
- ड्रूपल
- वर्ड प्रेस
- मैम्बो
- पी.एच.पी.सी.एम.एस.
- फ्रॉग सी.एम.एस.
- सिल्वर स्ट्रिप
- टाइपो 3
- सिम्फोनी

विनिर्माण प्रौद्योगिकी

- बेसिक फ्लुइड पावर
- बीयरिंग्स एवं लुब्रिकेशन तकनीक
- कम्प्यूटर ऐडेड डिज़ाइन एवं ड्राफ्टिंग
- ऑटोकैड, केटिया
- मैटलैब
- ऑटोमेटिक मशीनरी हेतु नियंत्रण प्रणालियां
- कपलिंग्स एवं मोटर्स
- इंजीनियरी ड्राइंग
- ज्योमैट्रिक टॉलरेंसिंग
- औद्योगिक ऑटोमेशन
- औद्योगिक संरक्षा प्रैक्टिस
- औद्योगिक रखरखाव
- मशीन नियंत्रण प्रणालियां
- मशील टूल प्रैक्टिसेस
- विनिर्माण नियंत्रण प्रणालियां
- विनिर्माण प्रौद्योगिकी
- मैकेनिकल ड्राइव कम्पोनेंट्स
- मैट्रिक मीजरमेंट तथा गॉजिंग
- पी.एल.सी. प्रोग्रामिंग
- प्रिवेंटिव/प्रिडक्टिव मैंटिनेंस
- प्रो/इंजीनियर
- पम्पस, कम्प्रेसर्स एवं वैक्यूम प्रणालियां
- गुणवत्ता आश्वासन एवं परीक्षण ऑटोमेशन
- सेमीकंडक्टर विनिर्माण
- शॉप मेथ
- सॉलिड वर्क्स
- स्टैटिस्टिकल प्रोसेस नियंत्रण
- वॉल्व्ज एवं कंप्रेसर्स

- एक्स.वाई.मैकेनिकल मूवमेंट्स

नेनोटेक्नॉलोजी

- सामग्रियों के संश्लेषण में बायो केटालिटिक रिएक्शन्स
- नैनोटेक्नोलॉजी प्रैक्टिस एवं डिसिप्लिन
- नैनोटेक्नोलॉजी के औद्योगिक अनुप्रयोग
- कार्बन नैनोट्यूब टेक्नोलॉजी (सी.एन.टी)
- मेम्स – माइक्रो इलेक्ट्रो मैकेनिकल सिस्टम्स
- नैनोटेक्नोलॉजी के भौतिकीय आधार एवं सिद्धांत
- पॉलिमर एवं ऑर्गेनिक मोलेक्यूल्स
- नैनोटेक्नोलॉजी के सतह विज्ञान पहलू एवं नैनोफैब्रीकेशन
- प्रैक्टिकल गैस क्रोमेटोग्राफी : पैक्ड एवं कैपिलरी कॉलम्स
- हाई परफोरमेंस लिक्विड क्रोमेटोग्राफी
- संभावित प्रौद्योगिकीय प्लेटफार्म के संबंध में फुलेरीन कैमिस्ट्री का उच्च विकास
- सेमीकंडक्टर एवं क्वांटम कम्प्यूटिंग

नेटवर्किंग दूरसंचार

- डाटा/दूरसंचार
- डिजिटल संचार एवं नेटवर्क्स
- लैन/वैन प्रौद्योगिकी
- मोबाइल संचार
- एम.पी.एल.एस. – मल्टीप्रोटोकोल लेवल स्विचिंग
- नेटवर्क प्रबंधन
- ऑप्टिकल नेटवर्किंग (सोनेट/एस.डी.एच.) परिचालन
- टी.सी.पी./आई.पी. तथा नेटवर्क आर्किटेक्चर
- वायरलेस संचार

प्लास्टिक्स मैन्यूफैक्चरिंग

- ब्लो मोल्डिंग
- इलेस्टोमर्स
- एक्सट्रूजन प्रोसेसिंग एवं सामग्रियां
- इंजेक्शन मोल्डिंग
- मोल्डिंग हाइड्रॉलिक्स
- मोल्ड डिजाइन, रखरखाव तथा डायग्नोस्टिक्स
- प्लास्टिक विनिर्माण एवं डिज़ाइन
- प्लास्टिक पार्ट डिजाइन
- प्लास्टिक प्रोसेस नियंत्रण
- पॉलिमर
- रोटेशनल मोल्डिंग
- रबर प्रौद्योगिकी
- थर्मोफोर्मिंग

- थर्मोप्लास्टिक इलेस्टोमर्स

परियोजना प्रबंधन

- परियोजना प्रबंधन : योजना एवं शेड्यूलिंग
- परियोजना प्रबंधन : संसाधन एवं बजटीकरण
- जोखिम प्रबंधन
- माइक्रोसॉफ्ट परियोजना
- परियोजना प्रबंधन बूट कैम्प
- नेतृत्व कौशल
- संगठनात्मक कौशल सुधारना
- समझौता (वार्ता) कौशल
- परियोजना प्रबंधकों के लिए व्यवसाय विधि
- उन्नत माइक्रोसॉफ्ट परियोजना
- विरोध समाधान
- संचार एवं टीम प्रबंधन

उक्त उल्लिखित सूची सम्पूर्ण नहीं है। उक्त क्षेत्रों के अलावा कार्पोरेट जगत में कॉर्पोरेट प्रशिक्षण में कई अन्य विषय शामिल हैं जो विषय–क्षेत्र के एवं प्रौद्योगिकी में प्रगति के साथ–साथ इसमें लिए जाते हैं :

कार्य रूपरेखा एवं दायित्व के मुख्य क्षेत्र (के.आर.ए.)

- पाठ्यक्रम कंटेंट के अनुसार प्रस्तुति तैयार करना।
- प्रशिक्षण एवं कार्य के लिए उदाहरण तैयार करना।
- प्रशिक्षण विभाग के कार्यकलापों में समन्वय स्थापित करना।
- उत्कृष्ट सॉफ्टवेयर प्रशिक्षण का विकास करना एवं उपलब्ध कराना तथा नियमित मूल्यांकन के साथ प्रशिक्षण– मानक बनाए रखना।
- प्रशिक्षण मैनुअल, एसाइनमेंट, ट्यूटोरियल्स, सहायक फाइलें तैयार करना।
- प्रशिक्षण योजना/कार्यक्रम बनाना।
- प्रशिक्षणार्थी मूल्यांकन एवं प्रयोक्ता प्रमाणन।
- ज्ञान एवं अन्य सामग्री गाइड प्राप्त करने एवं उसका विकास करने की क्षमता।
- नवीनतम प्रोग्रामिंग/डिज़ाइनिंग भाषाओं एवं सॉफ्टवेयर पैकेजों पर कार्य करना।

कार्य संभावनाएं

कार्पोरेट ट्रेनर संगठन के कर्मचारियों को महत्वपूर्ण क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्रदान करने के लिए विभिन्न संगठनों के लिए सामान्यतः सलाहकार के रूप में कार्य करते हैं। अध्यापन की रुचि रखने वाले तथा प्रशिक्षण–संतुष्टि देने के इच्छुक व्यवसायियों के लिए कार्पोरेट प्रशिक्षण में कॅरिअर एक शानदार विकल्प है।

समाप्त

*(गौरव कुमार कम्प्यूटर अनुप्रयोग विभाग, चित्कारा, विश्वविद्यालय (पूर्व चित्कारा इंजीनियरी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान) राजपुरा, पंजाब में सहायक प्रोफेसर हैं। ई–मेल : **kumargaurav@ gmail.com** तथा अनु सुनेजा कम्प्यूटर अनुप्रयोग विभाग, महर्षि मार्कंडेश्वर विश्वविद्यालय, मुलाणा, हरियाणा में लेक्चरर हैं)*